

माननीय राजस्व मण्डल म. पु. ग्रामियर

पु. कृ.

R 1393-I-17

रामकिशन पुत्र सोपती, उम्र 60 साल

दिनांक 17-5-17 का
श्री रामकिशन बाई
कोटा द्वारा लगाया
17-5-17

निवासी ग्राम दिगुवा तह. सेवडा जिला दत्तिया
म. पु. --- आवेदक

विरुद्ध

रामसिंह पुत्र नन्दकिशोर निवासी ग्राम
दिगुवा तह. सेवडा जिला दत्तिया म. पु.
--- अन विवेदक

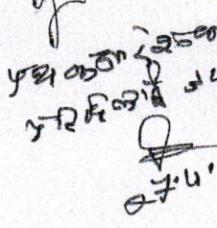
(मुद्रा १३२०१८)
 निगरानी अन्तर्गत द्वारा 50 म.पु. भू.रा.स. 1959 विरुद्ध आवेदा
 दिनांक 29-9-15 द्वारा पारित न्यायालय अपर आयुष्टि सम्बाग
 ग्रामियर पु. कृ. 12/14-15 अप्रैल रामकिशन पु. विरुद्ध रामसिंह
 के निष्ठि से दुष्टी होकर।

मौमान जी,

आवेदक की निगरानी तथ्यों एवं आधारों पर प्रस्तुत है:-

1. यह कि, आवेदक द्वारा सर्वे कृ. 273 रकवा ०.६०७ में से हिस्सा १/२ भाग को अनावेदक को अपने घर शादी मकान आदि के बास्ते कुछ रूपया उदाहरण लिया था जिसके एवज में उक्त सर्वे नम्बर का कुछ भाग बंधानामा के रूप में रखा दिया था कि हम आपको पैसा समय पर बापिस कर देंगे मय खाज के ० तो आप हमारा उक्त सर्वे नम्बर का भाग बापिस कर देना इस सम्बंध में रामसिंह द्वारा इष्ट पत्र भी प्रस्तुत किया गया जिसकी प्रति प्रकरण के साथ सैलग्न है।

2. यह कि, उक्त बंधा नामा विक्रय पत्र के आधार पर अनावेदकगत द्वारा ग्राम पंचायत दण्डना के नामों नगरा चंडी गढ़ में निवास २२-

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
२७/५/१८	<p>जनरल प्रेस / निगमन बोर्ड समिति /</p> <p>अत्यावश्यक अधिकारियों की उपस्थिति /</p> <p>उपरोक्त निगमन अधिकारी अनुसार उपलब्ध संसाधनों की उपलब्धि २०५०/१४-१५ ईं परिवर्त आवेदन, निवाल २७.०५.१५ ते २८.०५.१५ की रखी है, सारा मेरे अधिकारियों की स्थानों ते उन आवेदन गोपनीय निवाल आवेदन है।</p> <p>निगमनी की प्राप्ति की जाती है, तो २८.०५.१५ मेरे उपलब्धि-मापात्र मेरी उपलब्धि विवाह/विविध है, इतने अधिकारी-मापात्र के आवेदन की उपलब्धि मोर्चा दिया जावे।</p> <p>उपर्युक्त पक्ष की अधिकारी के तर्फ २८.०५.१५ ईं निगमनी के क्षेत्र, विकास क्षेत्रों के विवारण ३४३/२, पहले उपलब्धि होता है, तो यानी ८ अधिकारी अधिकारियों के आवेदन मेरे हिते गये कामों की जगह नहीं है, तो उन्हें आवेदन कीविधि दिया जावे, सारा ही उपलब्धि-मापात्र मेरे उपलब्धि-क्षेत्रों निवाल वर्ते मेरे हैं, पर जी क्षमता नहीं है, अतिरिक्त उपलब्धि उपलब्धि-मापात्र मेरे लेन्दित है, तो निगमन बोर्ड वर्ते से संस्थापन गोपनीय कर सकता है।</p> <p>निगमनी की कामों की जगह गये एवं निवाल करने के लिए निवाल की पुस्तका है तो नि वाली मेरी जाहिर बत नहीं है, ताकि निगमन ग्राहक होने पर जाहिर आवेदन नहीं है, तो निगमन अधिकारी की जाती है।</p> <p>एवं उपलब्धि-वर्ते निवाल की</p>	  <p>प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर २८.०५.१५</p>